PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 7
Width: 10.45 cms, Height: 26.37 cms, a4, Ref: 19.2017-08-16.67

कश्मीर में स्थायी शांति के लिए नए कदम का संकेत!

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आतंकवाद और अलगाववाद से जूझ रहे कश्मीर में क्या सरकार ने अपने अगले कदम का संकेत दे दिया है? स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर गौर करें, तो झलक इसकी मिलती है। पिछले एक साल के दौरान अलगाववादियों और आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने के बाद प्रधानमंत्री ने मंगलवार को कहा, 'ये समस्या न गाली से सुलझेगी, न गोली से सुलझेगी, ये समस्या सुलझेगी तो सिर्फ हर कश्मीरी को गले लगाने से ही सुलझेगी।' इसका अर्थ बातचीत ही है यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन कश्मीर में राजनीतिक दलों से लेकर नरमपंथी अलगाववादी तक ने इस बयान का स्वागत किया है।

दरअसल, कश्मीर में सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में बड़े आतंकियों को मार गिराया है और सभी आतंकियों को समाप्त करने के लिए 'ऑपरेशन ऑल आउट' चला रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत था कि जो केवल गोली की भाषा समझते हैं उनसे सख्ती से ही निपटा जाएगा। दूसरी ओर, पाकिस्तान से आतंकी फंडिंग हासिल करने वाले हुर्रियत नेताओं को गिरफ्तार कर जांच एजेंसियों को इसके रास्ते बंद करने में भी अहम सफलता मिली है। हालात यह हैं कि एक साल पहले कश्मीर के सामान्य जनजीवन को अस्तव्यस्त कर सकने वाले आतंकी और अलगाववादी आज बैकफुट पर हैं। अब तीसरा कदम है। दरअसल, यही वक्त है जब हर कश्मीरी अहसास करे कि विकास ही उन्हें आगे बढ़ा सकता है। प्रधानमंत्री के इस बयान का कश्मीर के राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी पीडीपी ने 15 साल पहले ही 'बंदूक से न गोली से, बात बनेगी बोली से' का नारा दिया था। प्रधानमंत्री ने पीडीपी के सुझाए इसी रास्ते पर मुहर लगा दी है। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला प्रधानमंत्री के बयान का स्वागत करते हुए अनुच्छेद 35ए पर चल रहे विवाद का उल्लेख करना नहीं भूले। उनका कहना था कि हालात में सुधार सिर्फ बयान देने से नहीं, बल्कि जमीन पर कार्रवाई करने से होगा और इसके लिए आम कश्मीरियों का भरोसा जीतना होगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर की स्वायत्तता छीनकर यह भरोसा नहीं जीता जा सकता। नरमपंथी हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने भी कहा कि यदि गोलियों और गालियों की जगह मानवता और न्याय लेता है, जो कश्मीर समस्या का स्थायी हल निकल सकता है।

दिखी झलक

- प्रधानमंत्री ने कहा, समस्या न गाली से सुलझेगी, न गोली से, ये समस्या सुलझेगी तो सिर्फ हर कश्मीरी को गले लगाने से
- घाटी के राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री के बयान का किया स्वागत

पाक को परोक्ष संदेश

प्रधानमंत्री ने आतंकियों के साथ-साथ अलगाववादियों और पाकिस्तान को भी परोक्ष संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में दूसरे देश भी सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। उनका संकेत साफ था कि अलगाववादियों को सिर्फ पाकिस्तान से मदद मिल रही है, लेकिन सरकार को पूरा विश्व मदद दे रहा है। उन्होंने कहा, 'हवाला कारोबार होता है तो दुनिया हमें जानकारी दे रही है।